भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर -2025-26

कक्षा-9	**विभाग: हिंदी**	**Date – 18.08.25**
STUDY MATERIAL-1	**व्याकरण - संधि-स्वर संधि-दीर्घ & गुण**	**Note: Pl. file in portfolio**

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

संधि

<u>संधि का अर्थ -</u> संधि का शाब्दिक अर्थ है- जोड़ या मेल ।

<u>संधि की परिभाषा</u> - दो समीपवर्ती वर्णों के पास-पास आने के कारण उनमें जो विकार सहित मेल होता है, उसे संधि कहते हैं ।

<u>संधि विच्छेद-</u> मिले हुए वर्णों को अलग-अलग करके संधि से पहले की स्थिति में पहुँचा दिया जाए तो इसे संधि-विच्छेद कहते हैं ।

संधि के भेद

संधि के तीन भेद होते हैं -

(1) स्वर संधि (2) व्यंजन संधि (3) विसर्ग संधि

(1) स्वर संधि- स्वर के बाद स्वर के मेल से उनमें जो विकार सहित परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं । जैसे- विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं -

(i) **दीर्घ संधि (ii) गुण संधि (iii) वृद्धि संधि (iv) यण संधि (v) अयादि संधि**

1. दीर्घ संधि - जब दो सवर्ण स्वर पास-पास आते हैं तो दोनों मिलकर उसी वर्ण का दीर्घ स्वर बन जाते हैं । इसे 'दीर्घ संधि' कहते हैं ।

नियम -

अ, आ + अ, आ = आ

इ, ई + इ, ई = ई

उ, ऊ + उ, ऊ = ऊ

उदाहरण - परम + अर्थ = परमार्थ

सूर्य + अस्त = सूर्यास्त

दया + आनंद = दयानंद

यथा + अर्थ = यथार्थ

महा + आशय= महाशय

रवि + इंद्र = रवींद्र

मुनि + ईश्वर = मुनीश्वर

देवी + इच्छा = देवीच्छा

रजनी + ईश = रजनीश

सु + उक्ति = सूक्ति

सिंधु + ऊर्मि = सिंधूर्मि

भू + उद्धार = भूद्धार

2.गुण संधि -

नियम - अ, आ + इ, ई = ए

अ, आ + उ,ऊ = ओ

अ, आ + ऋ = अर्

उदाहरण - नर + इंद्र = नरेंद्र

यथा + इष्ट = यथेष्ट

वन + उत्सव = वनोत्सव

दया + ऊर्मि = दयोर्मि

राज + ऋषि = राजर्षि

ब्रह्मा + ऋषि = ब्रह्मर्षि

अभ्यास कार्य

1.संधि कीजिए -

i. वेद + अंत =

ii. भाव + अर्थ =

iii.स्व + अधीन =

iv. महा + आत्मा =

v.कपि + इंद्र =

vi.परि + ईक्षा =

vii. नारी + इंद्र =

viii. लघु + उत्तर =

ix.भानु + उदय =

x. वधू + उत्सव =

xi.लोक + उक्ति =

xii.योग + इंद्र =

xiii.सप्त + ऋषि =

2. संधि विच्छेद कीजिए -

i. हितोपदेश

ii.सर्वोत्तम -

iii.वसंतर्तु -

iv.राकेश -

v.सुरेश -

vi.वीरेंद्र -

vii.गुरूपदेश -

viii.प्रतीक्षा -

ix.यथावसर -

x.छात्रालय -

xi.परमाणु -

xii.देवर्षि -